सेना के बेड़े में होंगे अत्याधुनिक हथियार

■ अभिषेक सिंह

- सेना को मजबूत करने को करेंगे संयुक्त शोध, वैज्ञानिक करेंगे मदद
- आईआईटी कानपुर और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने समझौता किया
- हथियारों को जल्द ही विदेशी मिलिट्री को भी निर्यात किया जाएगा

कानपुर। भारतीय सेना के बेड़े में जल्द ही अत्याधुनिक हथियारों की ऐसी श्रृंखला शामिल होगी जो दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देगी। इसके लिए आईआईटी कानपुर और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने समझौता किया है। इसके तहत दोनों संस्थानों के विशेषज्ञों की टीमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल डिफेंस सेक्टर में करेंगी। इससे भारतीय सेना दुश्मनों को तबाह करने के साथ उनके हमलों से सुरक्षित रहने में भी सक्षम होगी। इस समझौते का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत मिशन को बढ़ावा देना है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आरएंडडी डीन प्रो. तरुण गुप्ता और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड के डायरेक्टर (ऑपरेशंस) शंभु शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड के सीएमडी तुषार त्रिपाठी भी मौजूद रहे। प्रो. तरुण ने बताया कि इस समझौते के तहत मुख्य रूप से कटिंग-एड्ज रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। डिफेंस और इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स से जुड़ी टेक्नोलॉजी को विकसित किया जाएगा ताकि इसकी मदद से अत्याधुनिक हथियार विकसित किए जा सकें।

मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि डिफेंस सेक्टर में वैज्ञानिक व स्टार्टअप की टीम पहले से ही बेहतरीन काम कर रही है। खासतौर पर ड्रोन सेक्टर में आईआईटी कानपुर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। संस्थान में विकसित हो रही साइबर सुरक्षा तकनीक की मदद से अत्याधुनिक हथियारों को दुश्मनों के साइबर हमलों से सुरक्षित रखा जाएगा।

सात ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड में से एक है इंडिया ऑप्टेल

इंडिया ऑप्टेल कंपनी प्रमुख सात ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड में से एक है। यहां मुख्य रूप से इलेक्ट्रो ऑप्टिकल सेंसर, वेपंस साइट्स एंड कम्युनिकेशन उपकरणों पर रिसर्च के साथ निर्माण का काम किया जाता है। वर्तमान में भारतीय सेना के साथ फॉरेन मिलिट्री भी इन हथियार और उपकरणों का उपयोग कर रही है। आईआईटी कानपुर के साथ हुए समझौते के तहत तैयार किए जाने वाले अत्याधुनिक हथियारों को विदेशी मिलिट्री के लिए भी निर्यात किया जाएगा।